जल संरक्षण एवं प्राकृतिक संतुलन के लिए काम करने की जरूरत - राज्यपाल

झुंझुनू, 6 जून: महामहिम राज्यपाल एस.के. सिंह ने पत्रकारों से कहा है कि वे देश, प्रदेश और समाज में जल संरक्षण, प्राकृतिक संतुलन तथा सामाजिक समरसता के लिए सशक्त वातावरण तैयार करें। उन्होंने निरन्तर गिरते भू-जल स्तर के प्रति भी सावचेत किया।

महामहिम शनिवार की शाम झुंझुनू से 20 कि.मी. दूर चुड़ैला गांव में जे.जे.टी. विश्वविद्यालय तथा भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ के संयुक्त तत्वावधान में ग्रामीण पत्रकारिता पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में बोल रहे थे। उहोंने कहा कि राजस्थान एक मरूस्थलीय प्रदेश है जहां भूमि, जल और प्राकृतिक संतुलन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। वाटर कन्जर्वेशन एवं हार्वेस्टिंग की दृष्टि से प्रदेश में बहुत कुछ करने की जरूरत है अन्यथा आने वाले समय में पानी का संकट मानव, पशुधन व पशु-पक्षियों के जीवन को समाप्त कर देगा। इस भयावह स्थिति से निपटने के लिए प्रदेश में गहन अनुसंधान के आधार पर ठोस कार्य योजना बनाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुराने समय में राजा-महाराजा और प्रवासी उद्योगगति प्रदेश में कुएं-बावड़ी बनवाते थे जिनके निर्माण में जल संरक्षण का पूरा ध्यान रखा जाता था। जल प्रबन्धन की इन परम्पराओं को पुर्नजीवित करने की आवश्यकता है और ग्रामीण पत्रकार इस दिशा में काफी कुछ कर सकते है।

राज्यपाल ने कहा कि पेड़, भूमि, जल, बादल, मानव व पशुधन के बीच जो प्राकृतिक रिश्ता है उसे गहराई से समझने की जरूरत है और इन सबके बीच वांछित संतुलन कायम रखने की आवश्यकता है। उन्होंने संरक्षण के अभाव में समाप्त हो रही शेखावाटी की भित्ति चित्रकला पर भी चिन्ता जताई और इसके संरक्षण पर समुचित ध्यान देने की बात कही। जातिवाद और अलगाववाद से होने वाले सामाजिक विघटन की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि देश की लोकतान्त्रिक व्यवस्था को इससे खतरा है। लोकसभा से लेकर पंचायत और स्थानीय निकायों के चुनावों तक में फैल रहा जातिवाद देश में सामाजिक बिखराव पैदा कर देगा।

भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष विक्रम राव ने कहा कि उनका संगठन आगामी सितम्बर माह में चिकमंगलूर में तीन दिवसीय सम्मलेन आयोजित करेगा जिसमें ग्रामीण पत्रकारों के गहन प्रशिक्षण की कार्य योजना तैयार की जायेगी। जे.जे.टी. विश्वविद्यालय के मनोनीत कुलाधिपति विनोद कुमार टीबड़ा ने स्वागत भाषण दिया तथा

राज्यपाल को साफा, प्रतीक चिन्ह व तलवार भेंट की। मंच संचालन मुम्बई के वरिष्ठ पत्रकार विनोद तिवारी ने किया। इस अवसर पर राजस्थानी सेवा संघ मुम्बई के सुशील राजगढ़िया, राधेश्याम जसरापुरिया, अशोक हरलालका, मनमोहन बागड़ी, बाबूलाल ढंढारिया, हनुमान बगड़िया, श्यामसुन्दर टीबड़ा, अनिल गुप्ता, राकेश टीबड़ा, शरतचन्द्र गाडिया, मो. आलमगीर, डी.एन. तुलस्यान तथा राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार संघ के महासचिव परमानन्द पाण्डे सहित देश के विभिन्न हिस्सों से आये पत्रकार भी मौजूद थे।

हवाई पट्टी पर अगवानी: इससे पूर्व राजकीय विमान से झुंझुनू पहुंचने पर जिला कलेक्टर टी. रविकान्त, पुलिस अधीक्षक अजयपाल लाम्बा व अन्य अधिकारियों ने राज्यपाल को गुलदस्ता भेंट कर उनकी अगवानी की। राज्यपाल हवाई पट्टी से सीधे चुड़ैला गये और वहां से लौट कर राजकीय विमान से जयपुर के लिए प्रस्थान कर गये।